B.D. COLLEGE PATNA
NSS ANNUAL CAMP 2025

PARIVARTAN, SIWAN

DATE:11/12/25-17/12/25

यात्रा की शुरुआत

एनएसएस इकाई पटना से सिवान की ओर रवाना हुई, सेवा, अनुशासन और नई यादों के लिए पूरी तरह तैयार।

* उद्देश्य: सामाजिक सेवा और व्यावहारिक सीख

* उत्साह और जिम्मेदारी की भावना

* नए अनुभवों और सीख की उम्मीद

* एनएसएस मूल्यों को आत्मसात करने की भावना

परिवर्तन कैंप में आगमन

* परिवर्तन एनजीओ कैंप में पारंपरिक पुष्प-तिलक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आत्मीय स्वागत किया गया।*

छात्रों का पारंपरिक तरीके से अभिनंदन

स्वागत गीत और सांस्कृतिक प्रस्तुति

छात्रों को 5 समूहों में विभाजित किया गया

प्रत्येक समूह को शोध और फील्ड विज़िट का कार्य सौंपा गया

कृषि विषय पर गतिविधियाँ

* प्रातः योग सत्र के बाद कृषि थीम पर फील्ड विजिट की गई, जहाँ छात्रों ने खेती को नजदीक से समझा।*

योग सत्र से दिन की सकारात्मक शुरुआत

कृषि और खेती का प्रत्यक्ष अवलोकन

किसानों से बातचीत और सीख

श्रमदान के अंतर्गत प्रत्येक समूह द्वारा 5-5 पौधों का रोपण

महिला सशक्तिकरण विषय

इस दिन के भ्रमण से हमें महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक योगदान का महत्व समझने का अवसर मिला।

महिला सशक्तिकरण पर जागरूकता

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से संदेश प्रसार

नाटकों के विषयः मासिक धर्म स्वास्थ्य, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

"शक्ति की नई कहानी" नामक कविता की प्रस्तुति

समाज में महिलाओं की भूमिका पर गहरी समझ

बुनकरों से बातचीत एवं सामुदायिक गतिविधियाँ

इस दिन का विषय बुनकरों से संवाद था, जहाँ हमने बुनाई की पूरी प्रक्रिया को नज़दीक से समझा।

→ बुनाई की परंपरागत तकनीकों की जानकारी

→ कच्चे माल से तैयार कपड़े तक की प्रक्रिया का अवलोकन

→ पोस्टरों के माध्यम से सरकारी योजनाओं की जागरूकता

↓

स्थानीय लोगों को योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया

→ सायंकाल परिवर्तन की * उमंग टीम* के साथ कबड्डी खेल का आयोजन, जिससे सहभागिता और टीम भावना बढ़ी

अनुभव साझा करना एवं शैक्षिक सेवा

पाँचवें दिन सभी छात्रों ने अपने तीन दिनों के अनुभव अतिथि गण के समक्ष साझा किए।

छात्रों ने सीख, चुनौतियाँ और प्रेरणाएँ प्रस्तुत कीं

दोपहर का विषयः"पढ़ना-पढ़ाना सीखो"

एनएसएस स्वयंसेवक *राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, गोठी खन्या* पहुँचे

बच्चों को पढ़ाया गया और प्रधानाचार्य से संवाद किया गया

श्रमदान के रूप में विद्यालय में *स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया

बच्चों में स्वच्छता के महत्व की समझ विकसित की गई

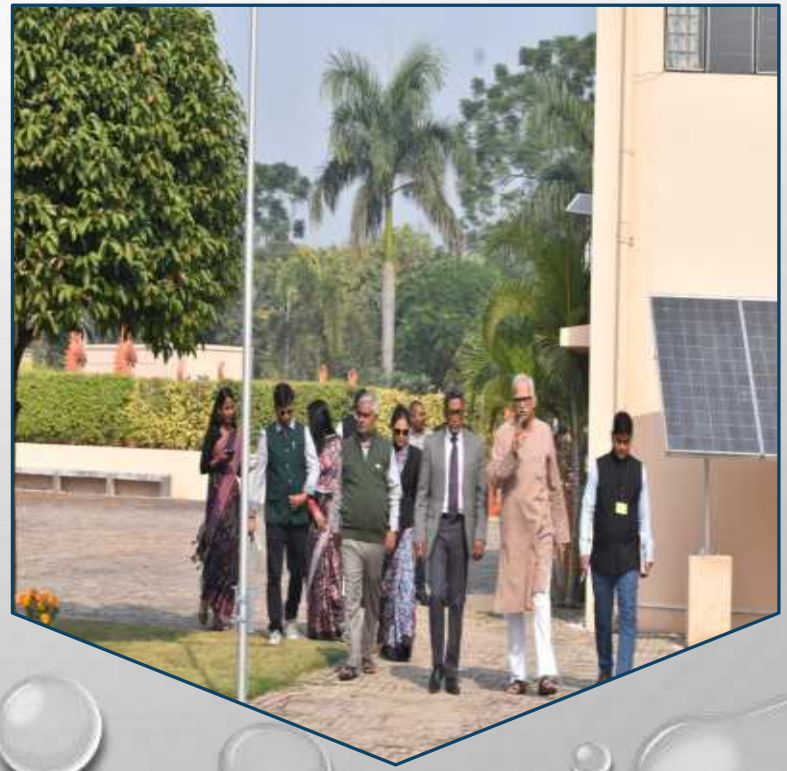

कुम्हार समाज से रूबरू एवं सांस्कृतिक संध्या

1. इस दिन का विषय कुम्हार समाज से संवाद था, जहाँ हमें मिट्टी से बर्तन बनने की पूरी प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर मिला।
2. कुम्हारों द्वारा मिट्टी तैयार करने की विधि की जानकारी
3. चाक चलाने की तकनीक और बर्तन बनाने की प्रक्रिया का अवलोकन
4. पारंपरिक ज्ञान और कौशल का महत्व समझा गया
5. सायंकाल परिवर्तन टीम द्वारा रंगमंडली नाटक का आयोजन
6. नाटक का विषय सास और बहू के रिश्ते पर आधारित था, जिसे दो कलाकारों ने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया
7. रात्रि भोजन के लिए हम परिवर्तन के प्रमुख श्री संजीव कुमार के फार्महाउस गए
8. लौटने के बाद कैंपफायर का आयोजन हुआ, जहाँ सभी ने नृत्य किया और अपने अनुभव साझा किए

कैंप का अंतिम दिन एवं विदाई

कैंप के अंतिम दिन सभी के मन में खुशी और उदासी दोनों भावनाएँ थीं।

सात दिनों का यह कैंप अनुभवों से भरपूर और अत्यंत यादगार रहा

सभी स्वयंसेवकों ने एक-दूसरे के साथ बिताए पलों को याद किया

परिवर्तन कैंप में अंतिम बार सामूहिक भोजन किया गया

सीख, सेवा और सहयोग की भावना मन में बनी रही

इसके पश्चात सभी प्रतिभागी पटना के लिए रवाना हुए

यह कैंप जीवनभर याद रहने वाला अनुभव बन गया

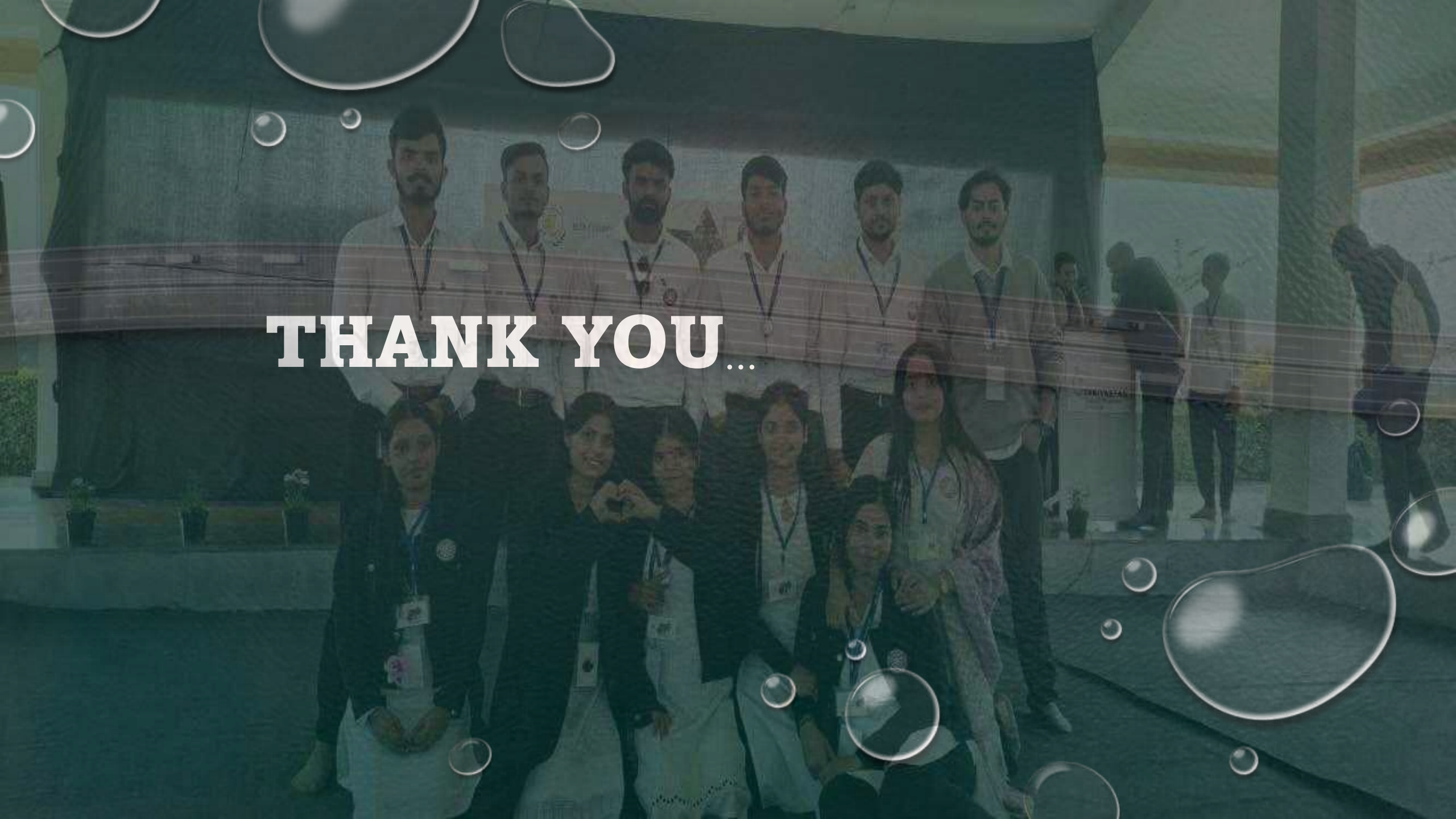
THANK YOU...